

स्वस्थ परिवार कल्याण मंत्री
स्वस्थ परिवार कल्याण मंत्री

अतारंकित प्रश्न सं : 5610

26 , 2019

प्रश्न सं

बंगाल में स्वास्थ्य परिवर्चया सुविधा

5610. श्री राजू बिष्टः

क स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे कि:

- (क) क्या सरकार पूरे उत्तर बंगाल क्षेत्र में उचित स्वास्थ्य सुविधाओं को भारो कमी से अवगत है;
() यदि हाँ, तो उत्तर बंगाल क्षेत्र में ग्रामीण प्रार्थमिक स्वास्थ्य परिवर्चया सुविधाओं और इसके कायकरण
के लिए कितने करोड़ रुपये आवंटित हैं;
(ग) एक क्षेत्र के लिए एम्स जैसे केंद्र द्वारा वित्त पोषित अति-विशेष अस्पताल के लिए अहता प्राप्त
कितने करोड़ रुपये हैं;
(घ) क्या सरकार का उत्तर बंगाल क्षेत्रों में केंद्र द्वारा वित्तपोषित अस्पतालों के माध्यम से स्वास्थ्य के
लिए दो ढांचे को विकसित करने का विचार है;
() यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या आवश्यक कदम उठाए गए हो?

उत्तर
स्वस्थ परिवार कल्याण मंत्री (श्री बिष्ट)

() () : स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का विषय होने के नाते ग्रामीण प्रार्थमिक स्वास्थ्य परिवर्चया सुविधा केंद्रों के लिए स्वास्थ्य परिवर्चया सुविधा केंद्रों के निमाण को प्रार्थमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों को सौंपा जा रहा है।

स्वास्थ्य परिवर्चया सुविधाओं का समाधान करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएसएम) सभी के लिए सुगम्य, निःशुल्क और पूर्ण स्वास्थ्य परिवर्चया प्रदान करने के लिए राज्य/क्षेत्रों को सरकारों के प्रयासों को संपूरक बनाता है जो जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों के माध्यम से प्रदान किए जा रहे हैं।

2011-12 के अनुसार स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में (31.03.2018 तक)													
क्र. सं.	जिला / प्र. सं.	केंद्र				प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र							
					%				%				%
1	शु	13083	10,357	2726	21	2153	913	1240	58	538	348	190	35

टिप्पणी : ग्रामीण क्षेत्र, 2011 तक निर्मित प्र. सं. १

सं. श. सं. सं. सं. सं.

सं. / जिला अस्पताल / ख.			
31.03.2018			
क्र. सं.	जिला / प्र. सं.	₹ ()	₹ ()
1	शु	36	23

त क्षेत्र कद्र

क्र.		ख	कद्रों ख
1	द	13	236
2	फ	29	406
3	दक्षि फ	18	248
4	दाजिलिंग [द]	12	118
5	दाजिलिंग []	4	63
6	फ फ	6	49
7		25	301
8		34	511
9	त फ	19	344
		160	2276

मंत्रिमंडल द्वारा 20.9.2017 के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या 272/1/3/2016- V के अन्तर्गत दिशा-निर्देश परिचालित किया गया है जिसने जल, वन, शक्ति, परिवहन, कृषि, शोषण, शान्ति, आवास, परिवार कल्याण, प्रशिक्षण, युवा कल्याण, श्रम, महिला, आदि क्षेत्रों को भी परामर्श प्रदान किया है। ये दिशा-निर्देश स्थानीय स्तर पर प्रदान करते हैं। इन दिशा-निर्देशों में क्षेत्रों और परियोजनाओं को सांकेतिक सूची भी शामिल है जिनमें चुनौती मोड को अपनाया जा सकता है। उसके अलावा ये प्रक्रिया भी निर्धारित प्रसंगों के लिए सांकेतिक मानदंडों के साथ निर्धारित है। अभिलेखित अधिभारों के साथ व्याख्यात्मक मापदंडों को भी सिफारिश किया गया है। अभिलेखित अधिभारों के लिए सांकेतिक मानदंड और अधिभार निम्नलिखित हैं :

	बिंदु
उपयुक्त क्षेत्र / भूमि को शीघ्र उपलब्धता	20
परिवहन (सड़क, जल, बिजली)	15
तृतीयक स्वास्थ्य परिचया सुविधा केंद्रों	15
राज्याधिकार क्षेत्र / नवप्रवर्तन	10
स्कूल / कॉलेज और चिकित्सा सुविधा केंद्रों के आसपास के परिवार के लिए रोजगार के अवसर	10
संघ (राज्य / संघ क्षेत्र)	15
राज्य / संघ राज्य क्षेत्र को प्रति व्यक्ति के लिए	5
पर्यावरण (पर्यावरण और वन सहित) के लिए फास्ट ट्रेक	10
	100

-1

क्र.	ज	प	क	बिस्तरों की संख्या			बिस्तरों की संख्या	प्रति	स्थिति	
				केन्द्र	ज	कुल				
1	श	प	1	100.00	60.73	160.73	235	7	3	निर्माण पूरा

- III

क्र.	ज	प	कार्यकारी	बिस्तरों की संख्या				प्रोन्नत विभागों की संख्या	प्रारंभ की तिथि	प्रति	
				केंद्र	ज	कुल	प्रति				
1	श	प	केंद्रीय लोक	185	75	260	6	9	27	22.9.16	90
2	श	प	केंद्रीय लोक	161	40	201	9	द	16	f	94
3	श	प	दार्जिलिंग	166	89	255	8	8	21	2.7.16	62

- IV

- मंत्रिमंडल ने 07.10.2015 श ल 1754 रु ा एम्स को स्थापना क
- प एचएससीसी (आई) को कार्यकारी एजसी के रूप में नियुक्त क
- म व्यापक योजना और डिजाइनिंग () क द पार्किंग ईस्टमैन एंड मेसर्स एडिफिस कंसल्टेंट को प्रदान किया

- मास्टरप्लान f रू f
- ढ तथा बीओक्यू को f f रू f
- निमाण काय प्रगति पर है:
 - ।-ओपीडी ब्लॉक और आवासीय परिसर: 52.5%
- द्वितीय चरण - रू क्षर्त्त f : 31%